# आयुष विश्वविद्यालय

## चर्चा में क्यों?

28 अगस्त, 2021 को राष्ट्रपति **रामनाथ कोविंद ने** उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में **महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय** की आधारशिला रखी।

## प्रमुख बिंदु

- 21.173 हेक्टेयर क्षेत्र में बन रहे इस विश्वविद्यालय की अनुमानित लागत 299.87 करोड़ रुपए है तथा इसके मार्च 2023 तक बन जाने की संभावना है।
- प्रदेश के आयुर्वेद, यूनानी व होम्योपैथी के सभी महाविद्यालयों को इस विश्वविद्यालय से संबद्ध किया जाएगा।
- इस विश्वविद्यालय से राज्य में आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी व सिद्धा चिकित्सा पद्धतियों का विकास होगा तथा योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति में छात्र-छात्राएँ दक्ष होंगे।
- विश्वविद्यालय का वास्तुशिल्प भारतीय संस्कृति के अनुरूप होगा। इसके परिसर में एकेडमिक भवन, प्रशासनिक भवन, आवासीय भवन, छात्रावास, गेस्ट हाउस के अलावा ऑडिटोरियम और सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक भी होगा।
- गौरतलब है कि अब तक उत्तर प्रदेश में आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी, प्राकृतिक चिकित्सा, योग, सिद्धा की चिकित्सा पद्धति (जिन्हें समन्वित रूप में आयुष कहा जाता है) के लिये अलग-अलग संस्थाएँ रही हैं। प्रदेश में पहली बार **आयुष पद्धतियों** के पाठ्यक्रम का नियमन किया जा रहा है।
- प्रदेश में वर्तमान में आयुष महाविद्यालयों की कुल संख्या 94 है, जिसमें आयुर्वेद महाविद्यालय 67 (8 सरकारी व 59 निजी), यूनानी महाविद्यालय 15 (2 सरकारी व 13 निजी) तथा होम्योपैथी महाविद्यालय 12 (9 सरकारी व 3 निजी) हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ayush-university